उत्तर बिहार और नेपाल में भारी वर्षा का असर नदियों पर लगा है दिखने, बिहार के 14 जिलों में 50 लाख की आबादी पर बाढ़ का खतरा उत्पन्न

बिहार में कोरोना वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ने से 11 जिलों में अलग-अलग अवधि तक के लिए फिर से लगाया गया लॉकडाउन

उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा- लालू जेल से बाहर आते हैं तो एनडीए को तीन चौथाई बहुमत पाना होगा आसान

विकास दुबे एनकाउंटर में पुलिसवालों पर चलेगा हत्या का मुकदमा और मामले की होगी जांच, कोर्ट में साबित करनी होगी बेगुनाही

युवराज न्यूज़ टुडे
NEWS TODAY Update
RNI:- BIHHIN05409
www.newstodayupdate.in
आपकी आवाज़
राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 06 अंक : 13+11 तिथि : 10-11 जुलाई 2020 मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272,

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अस्थाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

विकास दुबे एनकाउंटर में पुलिसवालों पर चलेगा हत्या का मुकदमा और मामले की होगी जांच, कोर्ट में साबित करनी होगी बेगुनाही

उत्तर बिहार और नेपाल में भारी वर्षा का असर नदियों पर लगा है दिखने, बिहार के 14 जिलों में 50 लाख की आबादी पर बाढ़ का खतरा उत्पन्न

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

न्यूज टुडे खोज खबर

उत्तर बिहार और नेपाल में भारी वर्षा का असर नदियों पर दिखने लगा है। बागमती नदी पांच स्थानों पर लाल निशान को पार कर गई है। कमला के अलावा लालबकेया नदी भी शुक्रवार को सीमा लांघ गई है। कोसी का डिस्चार्ज इस वर्ष के ऊच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक बागमती बेसिन में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इससे बिहार के 14 जिलों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न होने की आशंका जताई गई है। अगर ऐसा हुआ तो कम से कम 50 लाख की आबादी बाढ़ संकट में फंस सकती है। हालांकि प्रभावितों की संख्या इससे कहीं अधिक होगी।

जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार कोसी नदी का डिस्चार्ज शुक्रवार को बराह क्षेत्र में 2.22 लाख और बराज पर 2.36 लाख घनसेक पहुंच गया है। बागमती नदी ने सारी सीमा तोड़कर सीतामढ़ी में चार और मुजफ्फरपुर के एक स्थान पर लाल निशान से ऊपर पहुंच गई है। सीतामढ़ी के ढेंग में एक मीटर 27 सेमी यह नदी ऊपर चली गई है।

मुजफ्फरपुर के बेनीबाद में भी यह नदी लाल निशान से 29 सेमी ऊपर है। लेकिन दरभंगा के हायाघाट में अब भी यह नीचे बह रही है। कल तक अपनी सीमा में बह रही लालबकेया नदी भी शुक्रवार को पूर्वी चम्पारण में लाल निशान को क्रास कर गई है। कमला नदी झंझारपुर और जयनगर में दोनों स्थानों पर क्रमशः 45 आश्रै 90 सेमी लाल निशान से ऊपर है। इसके अलावा सभी नदियां अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। विदित हो कि गंगा का जलस्तर में पटना में बढ़ी है लेकिन अभी यह नदी लाल निशान से नीचे है।

गंडक के जलस्तर में वृद्धि की आशंका को देखते हुए पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज व सारण के अधिकारियों को अलर्ट किया गया है। गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद मोतिहारी–शिवहर मार्ग अवरुद्ध हो गया है।

उत्तर बिहार में 48 घंटे तक भारी बारिश के आसार

मानसून की अक्षीय रेखा के हिमालय की तराई क्षेत्र की ओर शिफ्ट कर जाने के कारण बिहार के उत्तरी भाग में ज्यादातर जगहों पर भारी बारिश जारी है। इसके अलावा सूबे के दक्षिण और मध्य भाग में एक दो जगहों पर भी भारी बारिश की स्थिति बनी हुई है। अगले 48 घंटे तक उत्तर बिहार के लगभग सभी भागों में भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश के आसार हैं। इन इलाकों में वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र पटना के पूर्वानुमान के अनुसार अगले 72 घंटे बाद बारिश की तीव्रता में कमी आएगी। मौसम विज्ञान केंद्र से मिले इनपुट के आधार पर उत्तर बिहार और मध्य बिहार के कुल 19 जिलों में अलर्ट की स्थिति बनी हुई है।

सहरसा, सुपौल, मधुबनी और दरभंगा में अत्यधिक बारिश के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले 24 घंटों में सहरसा, सुपौल, मधुबनी और दरभंगा में अत्यधिक भारी बारिश के आसार है साथ ही नेपाल की तराई से सटे इलाकों में भी भारी बारिश की स्थिति बन सकती है। इन जगहों पर बादलों के तेज गरजने और बिजली के तेज कड़कने की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि मौसम विज्ञान केंद्र ने पटना सहित लगभग सभी जिलों के लिए आंशिक से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान किया है।

बिहार में कोरोना वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ने से 11 जिलों में अलग-अलग अवधि तक के लिए फिर से लगाया गया लॉकडाउन

रिंकू गिरी,
संवाददाता

बिहार में कोरोना वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है, प्रतिदिन काफी संख्या में कोरोना के नए मरीज मिल रहे हैं। इसे देखते हुए कोरोना से बचाव के मद्देनजर कई जिलों में वहां के प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। इसके तहत बिहार के 11 जिलों में फिर से लॉकडाउन लगा दिया गया है। इनमें राजधानी पटना के साथ ही कैमूर, बक्सर, नवादा, सुपौल, मधेपुरा, खगड़िया, मुंगेर, किशनगंज, मुजफ्फरपुर,पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मधुबनी, नालंदा, भागलपुर, बेगूसराय, मधेपुरा शामिल हैं।

वहीं, कई जिलों में प्रशासन ने शनिवार से लॉकडाउन लागू किया है। इनमें वैशाली और नालंदा जिले हैं। जिलों ने अपने यहां अलग–अलग अवधि तक के लिए लॉकडाउन लगाया है। उधर, पूर्णिया नगर निगम क्षेत्र में शुक्रवार और भोजपुर जिला मुख्यालय आरा शहर के मुख्य बाजार वाले इलाकों में 11 से लॉकडाउन रहेगा।

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

कानपुर में उत्तर प्रदेश के मोस्ट वॉन्टेड अपराधी विकास दुबे का खेल खत्म हो चुका है. पिछले 30 साल से आंतक मचाने वाले इस गैंगस्टर को पुलिस ने शुक्रवार को मौत के घाट उतार दिया. प्रदेश में अपराध की घटनाओं से तंग आ चुके लोग विकास दुबे के एनकाउंटर को सही ठहरा रहे हैं. लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं जो पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं. जाहिर है आने वाले दिनों में पुलिसवालों पर हत्या का मुकदमा चलेगा और मामले की जांच होगी. लेकिन सवाल उठता है क्या सच में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई. पुलिस को अब कोर्ट में ये साबित करना होगा कि अगर वो फायरिंग नहीं करते तो फिर उनकी भी जान जा सकती थी. आईए पूरे घटनाक्रम को कानून की नजरों से समझने की कोशिश करते हैं.

कैसे हुआ एनकाउंटर? क्या कहती है पुलिस

पुलिस के मुताबिक, आरोपी विकास दुबे को एसटीएफ उत्तर प्रदेश लखनऊ टीम द्वारा पुलिस उपाधीक्षक तेजबहादुर सिंह के नेतृत्व में सरकारी गाड़ी से लाया जा रहा था. यात्रा के दौरान कानपुर नगर के सचेण्डी थाना क्षेत्र के कन्हैया लाल अस्पताल के सामने पहुंचे थे कि अचानक गाय–भैंसों का झुंड भागता हुआ रास्ते पर आ गया. लंबी यात्रा से थके ड्राइवर ने इन जानवरों से दुर्घटना को बचाने के लिए अपनी गाड़ी को अचानक मोड़ने की कोशिश की. जिसके बाद ये गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई. इस गाड़ी में बैठे पुलिस अधिकारियों को गंभीर चोटें आईं. इसी बीच विकास दुबे अचानक हालात का फायदा उठाकर घायल निरीक्षक रमाकांत पचौरी की सरकारी पिस्टल को झटके से खींच लिया और दुर्घटना ग्रस्त सरकारी वाहन से निकलकर कच्चे रास्ते पर भागने लगा. जिसके बाद पुलिस को गोली चलानी पड़ी.

उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा- लालू जेल से बाहर आते हैं तो एनडीए को तीन चौथाई बहुमत पाना होगा आसान

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

सियासी गहमा-गहमी

अपनी पार्टी नेताओं के साथ बैठक में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि राजद सुप्रीमों लालू यादव अक्टूबर तक जेल से बाहर आ सकते हैं। लालू के जेल से बाहर निकलने वाले बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पार्टी ऐसी बयानबाजी से एकतरफ न्यायपालिका पर राजनीतिक दबाव बनाना चाहती है तो दूसरी तरफ दल छोड़ने वालों की भगदड़ रोकना चाहती है। उनके ये दोनों मकसद पूरे नहीं होंगे।

सुशील मोदी ने ट्वीट कर राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू प्रसाद को 1000 करोड़ के चारा घोटाले के चार मामलों में पारदर्शी और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद जेल की सजा दी गई। उनको जमानत देना या न देना अदालत का काम है। राजद अक्टूबर में उनके पक्ष में फैसला आने की बात किस आधार पर कह सकता है?

राजद का मानना है कि लालू के जेल से बाहर निकलने के बाद उनके पास एक स्टार प्रचारक होगा। राजद की इस अवधारणा का खंडन करते हुए सुमो ने कहा कि एनडीए ने गरीबों की सेवा और विकास के काम पर वोट मांगे, इसलिए जनता ने झोली भर कर आशीर्वाद दिया। लालू प्रसाद के जेल में रहने या उन्हें जमानत मिलने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

सुमो ने एक बार फिर राजद के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 से 2004 तक राजद शासन के उस दौर में जिस तरह से सड़कें जर्जर हुईं, शहर–गांव अंधेरे में डूबे थे, हत्या–अपहरण– नरसंहार की घटनाओं के कारण लोगों का जीना दूभर हुआ और लाखों लोगों को महज दो वक्त की रोटी के लिए पलायन करना पड़ा था।

मोदी ने आगे कहा कि लालू प्रसाद यदि जनता के बीच रहते हैं, तो उनके 15 साल के भयावह शासनकाल की याद दिलाने में हमें कोई मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। लालू प्रसाद यदि 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले जमानत पर छूट जाते हैं, तो एनडीए के लिए तीन चौथाई बहुमत पाकर 2010 का चुनाव परिणाम दोहराना आसान होगा। उस समय लालू प्रसाद जेल से बाहर थे और उनकी पार्टी मात्र 22 सीटों पर सिमट गई थी। नेता प्रतिपक्ष का पद पाने की भी हैसियत राजद की नहीं थी।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

मोतिहारी शहर में शुक्रवार से एक बार फिर लॉकडाउन शुरू, पांच बजे के बाद सख्ती के साथ बंद कराई गई दुकानें

सम्राट, संवाददाता

मोतिहारी शहर में शुक्रवार से एक बार फिर लॉकडाउन प्रारंभ हो गया। शाम पांच बजे से पूर्व ही पुलिस ने माइकिंग कर दुकानों को बंद कराने का संदेश दे दिया था। पुलिस ने समय पूरा होने के साथ दुकानों को सख्ती के साथ बंद कराया। वहीं बिना काम मटरगश्ती कर रहे लोगों की पुलिस ने जमकर क्लास लगाई व उठन–बैठक भी कराई।

बता दें कि शुक्रवार से जिले में पांच दिनों का लॉकडाउन लगाया गया है। जिसे सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस सड़क पर उतर गई। कहा गया कि सुबह सात बजे से दुकान खुलने के बाद शारीरिक दूरी का पालन कराते हुए ग्राहकों को समान देना है। शहर में बिना मास्क लगाए घुमने वालों से जुर्माना की राशि की वसूली की जा रही है।

नगर थाना के पुलिस निरीक्षक अभय कुमार, दारोगा अरुण कुमार झा, किशोर कुमार राय, रागीव हसन, जितेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस जवानों के साथ–साथ घुम–घुमकर शहर की दुकानों को बंद कराया।

आइसीएससी बोर्ड द्वारा जारी किए गए दसवीं के परीक्षा परिणाम में संत फ्रांसिस एकेडमी के बच्चों ने लहराया सफलता का परचम

रिंकू गिरी, संवाददाता

आइसीएससी बोर्ड द्वारा जारी किए गए दसवीं के परीक्षा परिणाम में संत फ्रांसिस एकेडमी के बच्चों ने सफलता का परचम लहराया है। छात्रों की सफलता से विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक–शिक्षिकाएं, अभिभावक गौरवान्वित हैं।

विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि 44 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 94 से 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। सफल विद्यार्थियों में प्रीत गिरि, विक्रम कुमार सिंह, अमृतांशु श्रीवास्तव, विवेक राज, अभिषेक कुमार गिरि, अंतरा प्रकाश, लक्ष्मी कुमारी, अपूर्वा, रितिका कुमारी, सुशी कुमारी, सक्षम गिरि, आयशा, प्रियांशु प्रकाश, रमन कुमार, सिपरियन कुजूर, कुमार शुभम, दिव्या कृति, अल्फ्रेड एक्का आदि शामिल है।

वहीं सफल छात्र–छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता व शिक्षक को दिया है। वहीं विद्यालय के विद्यार्थियों की सफलता को लेकर विद्यालय परिसर में भी उत्साह का माहौल है। इधर फादर पॉल मसीह ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। साथ ही उनके अभिभावकों व शिक्षकों को छात्र–छात्राओं को बेहतर मार्गदर्शन के लिए बधाई दिया है।

भारतीय स्टेट बैंक की बारा चकिया शाखा का तीन कर्मी कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद बैंक चार दिनों के लिए बंद

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

भारतीय स्टेट बैंक की बारा चकिया शाखा का तीन कर्मी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। गुरुवार को इनकी जांच रिपोई आई थी। रिपोर्ट आने के बाद बैंक को चार दिनों के लिए बंद कर दिया गया हैं।

शाखा प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया कि बैंक के छह स्टाफ के सैंपल की जांच कराई गई थी, जिनमें एक महिला समेत तीन स्टाफ की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके कारण शाखा को 10 से 13 जुलाई के लिए बंद कर दिया गया हैं। इस दौरान शाखा को सैनेटाइज किया जा रहा है। इसके अलावा बंदी के दौरान बैंक के शेष सभी कर्मियों की कोरोना जांच कराई जाएगी।

उधर, जैसे ही लोगों को यह जानकारी मिली कि तीन स्टाफ पॉजिटिव मिले हैं, ग्राहकों में हड़कंप मच गया। शहर का सबसे बड़ा व पुराना बैंक होने के कारण यहां खाताधारकों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। साथ ही शहर व आसपास के बड़े व्यवसायी इसी बैंक से जुड़े हैं, जहां उनका प्रतिदिन आना जाना होता है। यही कारण है कि बैंक स्टाफ के पॉजिटिव निकलने के बाद ग्राहकों की बेचौनी बढ़ गई हैं।

हालांकि शहर के व्यवसाइयों की राय थी कि प्रशासन को बैंक के आसपास के क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन बना देना चाहिए। इस मामले को लेकर रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंदन कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया। डॉ. कुमार के सरकारी मोबाइल की घंटी बजती रही लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वे अस्पताल भी नहीं आए थे, जिससे यह जानकारी नहीं मिल सकी कि आखिर स्वास्थ्य विभाग की ओर से कौन से कदम उठाए जा रहे हैं।

बागमती और लालबकेया नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि से पताही के आधा दर्जन गांवों में फैला बाढ़ का पानी, शिवहर का संपर्क भंग

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

लगातार रुक–रुक कर हो रही तेज बारिश के कारण बागमती और लालबकेया नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं प्रखंड क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है, जिसे गांव के लोग एक बार बाढ़ की आशंका से भयभीत हो गए हैं। इस बीच देवापुर बेलवा घाट पर सड़क पर तीन फीट पानी बह रहा है, जिससे पताही से प्रखंड मुख्यालय से शिवहर का आवागमन ठप हो गया है।

अंचल अधिकारी रोहित कुमार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर कहा कि कटाव वाले जगह पर बालू से भरे बैग व नाव की व्यवस्था की जा रही है। देवापुर पंचायत के मुखिया वेदानंद झा, मुखिया जय सिंह व राजू सिंह ने जिला प्रशासन से इलाके में नाव की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है। अंचलाधिकारी ने अपने भ्रमण के क्रम में बाढ़ से राहत और बचाव को लेकर सार्वजनिक स्थान को चिन्हित कर लेने का दावा किया है।

उनका कहना है कि फिलहाल, कोई बहुत चिता वाली बात नहीं है। मगर, बाढ़ की प्रबलता बढ़ने की स्थिति में सार्वजनिक ऊंचे जगहों को चिन्हित किया गया है। बाढ़ से निपटने को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। लोगों को किसी तरह की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। बाढ़ एवं वज्रपात से बचाव को लेकर लगातार माइकिंग की जा रही है। इसके माध्यम से लोगों को सतर्कता बरतने का निद. ेश दिया है। बता दें कि प्रखंड क्षेत्र की 15 पंचायतें प्रतिवर्ष जुलाई से लेकर अगस्त तक बाढ़ एवं सूखा की मार झेलती आ रही है। परंतु अब तक सरकार इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पाई है। प्रतिवर्ष बागमती और लालबकेया नदी प्रखंड क्षेत्र के लिए कहर बनकर लोगों को जान माल की क्षति पहुंच आती रहती है।

बाढ़ व कटाव की आशंका से सहमे लोग

लगातार बारिश से सिकरहना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने लगा है। कटाव की आशंका सिकरहना नदी के किनारे बसे गांवों में लोग चिंतित व सहमे हुए हैं। प्रखंड के लालपरसा,धमनी टोला,भवानीपुर, कैथवलिया, डुमरी, तेलहिया, बिगूइया, कोना, सपहा, लक्ष्मीपुर, नयका टोला सहित कई गांव के लोग कटाव को लेकर चिंतित हो गए है।

मुखिया महेश सहनी ने बताया कि रिंग बांध का निर्माण होने के बाद टूटे बांध की मरम्मत भी अभी पूर्ण रूप से नहीं हो पाया है। वहीं सुनील सहनी, रवि पटेल,रंजन सहनी, एकराम हुसैन,अंगद सहनी, ध ार्मेंद्र गुप्ता,देवलाल सहनी, दीपू मिश्र,शिवकुमार सहनी, विध ाायक यादव,राजेन्द्र सहनी सहित कई लोगों ने बताया कि जब क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है तो जनप्रतिनिधि व अधिकारी रिंग बांध की मरम्मत करने के बात करने लगते है और केवल खानापूर्ति कर दी जाती है,लेकिन स्थायी निदान के लिए कोई कदम नही उठाया जाता है।

रामगढ़वा-पिपरपाती सड़क निर्माण कार्य में अतिक्रमण की समस्या बाधक

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

रामगढ़वा–पिपरपाती सड़क निर्माण कार्य में अतिक्रमण की समस्या बाधक बन रही है। हालांकि सड़क निर्माण कार्य शुरू तो कर दिया गया है। लेकिन इस सड़क में रामगढ़वा व मौजे गांव में अतिक्रमणकारियों द्वारा सड़क की जमीन को अतिक्रमित किये जाने से निर्माण कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। जिससे यह कार्य विभाग द्वारा निर्धारित अवधि में पूरी होने की संभावना कम दिख रही है। जबकि यह सड़क पूर्वी व पश्चिमी चंपारण जिले सहित यू पी राज्य को भी जोड़ती है। लेकिन इसकी चिंता न तो संबंधित विभाग को ही है और ना ही स्थानीय प्रशासन को ही।

क्या आ रही समस्या

रामगढ़वा– पिपरपाती इंटरमीडिएट लेन सड़क निर्माण में अतिक्रमण की समस्या अड़चन आ रही है। इस सड़क में रामगढ़वा, मौजे एवं दुबौलिया गांव में कुछ अतिक्रमणकारी सड़क की जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए है। जिससे सड़क निर्माण की गति धीमी पड़ गई है। वहीं जब निर्माण कंपनी के कर्मियों द्वारा अतिक्रमित जमीन को खाली कराने की बात की जा रही है तो उल्टे अतिक्रमणकारियों द्वारा कर्मियों के साथ गाली – गलौज के साथ मारपीट करने तक पर उतारू हो जा रहे हैं।

15 से 20 किलोमीटर दूरी हो जाएगी कम

रामगढ़वा – पिपरपाती इंटरमीडिएट लेन सड़क निर्माण होने से जहां इस क्षेत्र के लोग सीधे पश्चिमी चंपारण जिले सहित यू पी राज्य से जुड़ जाएंगे। वहीं बेतिया, मझौलिया, चनपटिया, नरकटियागंज, लौरिया एवं बगहा की दूरी 15 से 20 किलोमीटर कम हो जाएगी।

कहते हैं अधिकारी

पथ निर्माण विभाग मोतिहारी डिवीजन के कार्यपालक अभियंता राजकिशोर प्रसाद का कहना है कि अतिक्रमण की समस्या से सड़क निर्माण कार्य थोड़ा प्रभावित हुआ है। एक सप्ताह के अंदर सड़क की जमीन का मापी कराकर अतिक्रमित जमीन को खाली कराकर निर्माण कार्य में तेजी लायी जाएगी।

बिहार में अभी मात्र 30 प्रतिशत महिलाएं ही सैनेटरी पैड का कर रही हैं उपयोग, घर- घर जाकर करना होगा जागरूक : डीएम

अच्छी पहल

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

ढाका प्रखंड अन्तर्गत तरंग जीविका महिला संकुल संघ, पचपकड़ी व तिरंगा जीविका, खड़ुआ चौनपुर द्वारा ढाका हाई स्कूल के सभा भवन में शुक्रवार को परियोजना इज्जत का आयोजन किया गया था, जिसका शुभारंभ डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने किया।

इस मौके पर डीएम श्री शीर्षत ने कहा कि एक जमाना था जब सैनेटरी पैड के बारे में कोई चर्चा नहीं होती थी आज यह महिलाओं के लिए व स्वच्छता के लिए जरूरी बन गया है। मासिक चक्र के दौरान महिलाओं को शारीरिक, मानसिक वेदना होती थी। परिवार की जिम्मेवारी निभाने के कारण इसपर वह ध्यान नहीं देती हैं और वह कई बिमारियों से ग्रसित हो जाती हैं। जीविका के माध्यम से इस जिले में सैनेटरी पैड को प्रमोट किया जा रहा है। जीविका द्वारा निर्माण किये जा रहे सैनेटरी पैड गुणवतापूर्ण व सस्ता है। बिहार में अभी मात्र 30 प्रतिशत महिलाएं ही सैनेटरी पैड का उपयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके बारे में गांवों में जाकर महिलाओं को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि जीविका दीदी यदि स्वयं बनायेंगी तो उसके लिए कलस्टर योजना व नवाचार योजना के तहत आर्थिक सहायता राशि दी जायेगी।

स्वयं बनाने से अपनी आत्मनिर्भरता होगी तथा इससे अच्छी आमदनी भी होगी। जिस प्रकार कोरोना संकट काल में जीविका दीदी द्वारा स्वयं मास्क का सिलाई कर आपूर्ति की है। डीपीएम वरूण कुमार ने बताया कि अभी तक इस जिले में 1 लाख सैनेटरी पैड का वितरण किया जा चुका है। जीविका दीदी को सैनेटरी पैड भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम को सहायक समाहर्ता सुमीत सौरभ, एसडीओ ज्ञान प्रकाश, वरीय उप समाहर्ता सादिक अख्तर, दीप शिखा, चिरैया बीडीओ सीमा गुप्ता, प्रशिक्षण प्रबंधक प्रकाश कुमार, सरोज कुमारी ने संबोधित किया वहीं कार्यक्रम में ढाका बीडीओ शशिप्रकाश, सीओ अशोक कुमार, चिरैया सीओ सचिन्द्र कुमार, बीपीएम प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे। संचालन क्षेत्रीय समन्वयक राजकुमार ने किया।

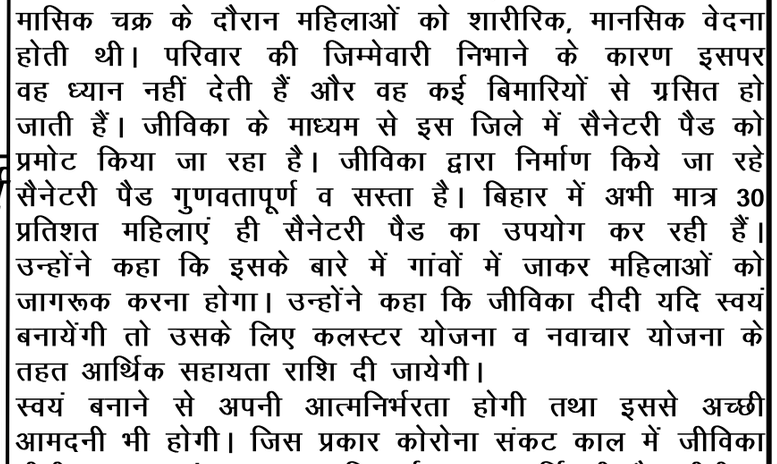

युवराज मीडिया एंड एंटरटेण्मेंट की ध ोषित चम्पारण की पावन धरती पर बन रही भव्य वेब सीरिज एवं फीचर फिल्म की शुटिंग शीघ्र शुरू होगी । निर्माता:

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830